

चाणक्य नीति

आठार गिंदा मध्य नैथन घ सागाव्यग्रेतत्
पश्चिमराषाणाम्।धर्मो द्वि लेभानाधिका शिशेषो धर्मेण होना:
पश्चिमः समाजः॥मार्यादा: भोज कला, वीढे लोग, भयभीत होना आर
नैथन अधिक संतान की उत्पत्ति करना, ये सब बार्ता
मनुष्य और पशु में एक जसो होती है। मनुष्य में
पशुओं की अपेक्षा धर्म ही ऐसी विशेषता है जो
उनमें अधिक होती है। मनुष्य में धर्म न बहुत ही तो बहुत
पशु के साथ है।पारा अपडेटमैक्रिसमम् मिनीमम्
31.00 °C 24.00 °Cसूर्यास्त (आज) » 18.38 बजे
सूर्योदय (कला) » 05.09 बजेज्योति मौर्य के चरकर में पनी
की पढ़ाई छुटवा दीकनोज़: पीसीएस अफर ज्योति मौर्य और उनके पति
आलका मौर्य इस समय बचाओ में हैं। उन तीन समाजों
उत्तर प्रदेश के कनोज से आया है पीसीएस
अधिकारी ज्योति और आलका मौर्य का केस समाज आने
वाले बाद पारा एक पति ने पनी के पढ़ाने से मान कर
दिया है। आरोप है कि ज्योति ने पति के फैसले का विरोध
किया तो पति ने उनके साथ मरीजी तक कर डाली।
पीड़ितों के मुताहिर को एक बाल न उसके काम कि ज्योति
खालकर स्कूल में कहा नहीं कि ज्योति मौर्य के
स्कूलात्मिक, खूनीज के लिए दलन्तर गाव की रुद्ध गली
दीको की शरीर में फैला दिया है। पीड़ितों को जहान में
पुराणा गाव में विवर सिंह के साथ बहुत ही अंदीशा
ने अपने पांसे पर गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ितों का कहाना है
कि वह जी एक को तो तोरा कर रही थी, लोकन जैसे ही
ज्योति मौर्य को केस लोगों के बीच सामाजिक आया तो उनके पति
दिया दिया है तो उसको पढ़ाई करने से रोक दिया।

यूक्रेन को लेकर किया जाने वाला मतदान

समय के हिसाब से होगा : अग्रेटिका

बल्लून: रुस के साथ जारी युद्ध के बीच यूक्रेन
नाटो में अपनी सदस्यता बहाती है। मार फूर्झ
बड़े राष्ट्रों की इस पर अपत्ति है। अमेरिकी
राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि नाटो सदस्यों
की तरफ से बाल के लेकर किया जाने वाला
मारना समय के हिसाब से हाहा हो। एक अलावा
राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि उन्हें नहीं लगता
यूक्रेन नाटो का सदस्यता के लिए तैयार है।
यूक्रेनी नेता ने शिखर सम्मेलन
से पहले समझौते हासिल करने के लिए नाटो
दोसों को दोसरों का इस बात की
उम्मीद थी कि सदस्य इस यूक्रेन की आपात्कालीन
दंगे। एंडोगन ने कहा, बिना किसी सदैद के
यूक्रेन नाटो में शामिल होने का हकदार है।

यूक्रेन को लेकर बहुत बहुत देगा

अग्रेटिका

वाशिंगटन: अमेरिका ने यूक्रेन को वलस्टर बम देने
का एकान्तरीण शुक्रवार दें रात
तक कर दी जाएगी। 3 अमेरिकी अधिकारियों ने
वराया है कि यूक्रेन को दिया जाने वाले वेपें पैकेज में
वर्तमान हथियार के लिए बोर्डर तोप वा
जाएगा। यूक्रेन को दिया जाने वाले वेपें पैकेज में
पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में भी चुनाव होने
हैं। हर साल लोकसभा चुनाव। उससे
हाथियार देने का सुनावा दिया था। एक फैसला तब
लिया जा रहा है, जब 2008 में 108 देश वलस्टर बम
पर बैन लगाने के सुरक्षा राष्ट्र अधिवेशन के प्रस्ताव
को सालाना कर दुहरा है। यूक्रेन जैसे एंडोगन
अमेरिका के सहयोगी देश भी शामिल हो जाएगा।हिमाचल में राष्ट्रीय राजमार्ग मी
बह गया बारिश मेंशिमला: जोरदार बारिश की वजह से हिमाचल के
कूल्लू में व्यास नदी के उपर कान आने से राष्ट्रीय

राजमार्ग 3 का एक हिस्सा बह गया। साश्ल भौतिक्या

पर दिख रहा है कि खतरनाक रुप ले चुकी व्यास नदी ने

सूरक्षित बाल कर दिया है। यूक्रेनी नेता के लिए हिमाचल

प्रदेश के सात जिलों के लिए हार्डेंड अलर्ट जारी

करते हुए एंडोगन को अंतर्राष्ट्रीय भारी

बारिश की दृष्टी होती है। यूक्रेन की शामिल

होने की शामिल होती है। यूक्रेन की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की शामिल होने की

शामिल होने की शामिल होने की श

घोटालेबाजी

शेष विस्थापितों की नौकरी की बंदरबांट

डीवीसी ने जिन लोगों को बहाल किया था उनमें सिर्फ पांच सौ लोग ही असली विरथापित

► कृष्ण सोरेन ने सूचना
के अधिकार के तहत यह
जानकारी मांगी थी

► भू अर्जन कार्यालय ने 29 मई 2020 के जरिए उपलब्ध कराया करायी थी जानकारी

राष्ट्रीय खबर

रांची: दुमका के भूअर्जन कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गये दस्तावेज यह कहते हैं कि जिन दस लोगों को विस्थापित होने का दावा वहां से किया गया है, वे दरअसल कार्यालय के रजिस्टर में दर्ज नहीं हैं। इससे इन दस लोगों के बारे में साफ हो जाता है कि यह दस लोग फर्जी विस्थापित बनाकर डीवीसी में बहाल किये गये थे। कृष्ण सोरेन ने सूचना के अधिकार के तहत यह जानकारी मांगी थी, जिसे भू अर्जन कार्यालय ने पने 29 मई 2020 के दिन प्राप्त किया।

जारी उपलब्ध कराया था। इसी तरह कुल नौ हजार लोग इसी तरीके से बहाल हुए हैं, जिन्हें डीवीसी ने विस्थापित बताकर नौकरी दी है। दस्तावेजों के अध्ययन से पता चलता है कि डीवीसी ने जिन लोगों को बहाल किया था, उनमें सिर्फ पांच सौ लोग ही असली विस्थापित हैं। शेष विस्थापितों की नौकरी की बंदरबांट कर दी गयी थी। जामताड़ा अंचल कार्यालय से 11 अप्रैल 2015 को जारी पत्र में डीवीसी से विस्थापितों की पूर्ण सूची एवं रामाश्रय सिंह द्वारा उठाये गये मुद्दों पर जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया था। नीचे से ऊपर तक न्याय की मांग करने वाली चिट्ठी अंततः दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय तक भी पहुंची थी। वहां से एक नहीं कई बार ज्ञारखंड के मुख्य सचिव को इस संबंध में उचित कार्रवाई करने का पत्र भी निर्गत हुआ। 5 मई 2014 के इस पत्र में केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के इस पत्र में साफ लिखा गया था कि पुलिस और विधि व्यवस्था राज्य के अंतर्गत विषय हैं। इसलिए ऐसे किसी मामले में केंद्र सरकार सीधे सीबीआई जांच की

अनुशंसा नहीं कर सकता है।
इसलिए झारखण्ड सरकार अपनी
तरफ से इस मामले की सीधी आई
जाच की अनुशंसा करे। इस
मामले में धनबाद के टुंडी क्षेत्र के
विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने
भी 4 अगस्त 2014 को एक पत्र
झारखण्ड विधानसभा के अध्यक्ष
को भेजा था। जिसमें राज्य
सरकार से यह सवाल पूछा गया
था कि असली विस्थापितों के
बदले गैर विस्थापितों को नौकरी
देने के दीवीसी के मामले में राज्य
सरकार क्या कार्रवाई कर रही है।
हर बार झारखण्ड तक पत्र पहुँचने


प्रधान मंत्री कार्यालय
Prime Minister's Office

नई दिल्ली/New Delhi- 110011
 दिनांक/Dated:15/10/2019
No:PMOPG/D/2019/0387694

सेवा में/To,
 मुख्य सचिव,
 झारखण्ड सरकार,
 रांची
**CHIEF SECRETARY,
 GOVERNMENT OF JHARKHAND,
 RANCHI**

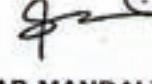
विषय/ SUB: श्री रामाश्रय सिंह की याचिका/Petition of SHRI RAMASHRAY SINGH

महोदय/महोदया,/Sir/Madam,

मुझसे इस कार्यालय में प्राप्त श्री रामाश्रय सिंह के दिनांक 27/09/2019 के पत्र/मौखिक अभावेदन का सार यथोचित कार्रवाई हेतु अग्रेषित करने की अपेक्षा की गई है। कृपया याचिकाकर्ता को जवाब भेज दिया जाए और इसकी एक प्रति पोर्टल पर अपलोड करा दी जाए।

I am desired to forward herewith a letter/gist of oral representation dated 27/09/2019 received in this office from SHRI RAMASHRAY SINGH for action as appropriate. Reply may be sent to the Petitioner and a copy of the same may be uploaded on the portal.

भवदीय/Yours faithfully,



[जितेंद्र कुमार मंडल/JITENDRA KUMAR MANDAL]
 अनुभाग अधिकारी/SECTION OFFICER

प्रति सूचना हेतु/Copy for information to :
 SHRI RAMASHRAY SINGH
 M 567 PO - SINDARI
 DHANBAD
 JHARKHAND-828122

श्री रामाश्रय सिंह
 म ५६७ पो - सिंदरी
 धनबाद
 झारखण्ड-828122

टिप्पणी: - इस शिकायत की स्थिति इंटरनेट के माध्यम से <https://pgportal.gov.in/status> में पंजीकरण सं. PMOPG/D/2019/0387694 डालकर पता की जा सकती है।

Note:- Status of the grievance can be tracked through internet at <https://pgportal.gov.in/status> after entering registration no. PMOPG/D/2019/0387694

के बाद यह गायब होती रही। वेस्थापितों की सूची में धनबाद जेला भी है, जहां के शिमापाथर गांव की जमीन और घरों का अधिग्रहण हुआ और कागज पर वहां के दो सौ लोगों को नियुक्त दी गयी। वास्तव में इस गांव के किसी को भी यह नौकरी नहीं मिली। श्री सिंह की याचिका में इस बात का भी उल्लेख है कि केंद्रीय गृह सचिव ने भी इस बारे में एकीबीआई से जांच की अनुशंसा करने का पत्र झारखंड सरकार को मेजा था। यह पत्र भी अपने अंतिम

निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा और चिट्ठी बीच रास्ते में गायब हो गयी। सुप्रीम कोर्ट से लेकर लौअर कोर्ट और सभी संबंधित सरकारी कार्यालयों के पत्राचार से यह पता चलता है कि किसी भी पक्ष में अब तक नौ हजार लोगों की फर्जी बहाली से कभी इंकार भी नहीं किया है।

इसी क्रम में इस बात की भी जानकारी मिली है कि कई अवसरों पर डीवीसी की तरफ से अदालत में जो जानकारी प्रस्तुत की गयी है वह सवालों का उत्तर

नहीं है। डीवीसी ने सिफ यह जताने की कोशिश की है कि याचिकादाता रामाश्रय सिंह के अपराधी किस्म के व्यक्ति हैं तथा उनके खिलाफ अनेक मामले चल रहे हैं।

यह अलग बात है कि डीवीसी ने जिन मामलों का उल्लेख किया है, वे राजनीतिक आंदोलन के मामले थे और उनमें रामाश्रय सिंह की जीत हो चुकी है। अपने यहां नौ हजार फर्जी बहाली को वह कहीं भी मिल सकता है। (समाप्त)

अमन गैंग का दावा- सुजीत सिंहा से नहीं है उनका
कोई नाता, उनका अपना जलवा हर तरफ कायम

► पुलिस की टीम भी अमन गिरोह पर शिकंजे के लिए लगातार काम कर रही है

► अमन गिरोह का यह भी दावा है कि उनकी पलामू में कोई गतिविधि नहीं है

फोटो ००

रांची: कुछ दिनों पहले एक खबर आई थी कि कुख्यात गैंगस्टर अमन साव और सुजीत सिन्हा एक साथ काम कर रहे हैं। पुलिस के द्वारा इस मामले की पुष्टि भी की गई थी, लेकिन इस मामले को लेकर अमन गैंग एक बार फिर से मुख्य हुआ है, गैंगस्टर अमन साहू के खास सहयोगी मयंक ने अमन गैंग और सुजीत सिन्हा गैंग के एकता की बात से साफ इनकार किया है। अमन गैंग से जुड़े मयंक ने रांची में कई लोगों को फोन कर ये जानकारी दी है कि उनका सुजीत सिन्हा से कोई लेना देना नहीं है। मयंक ने बताया है कि काफी पहले



उसका और उसके बॉस यानी अमन का सुजीत सिन्हा से संपर्क था, लेकिन कुछ चीजों को लेकर अमन गिरोह उनसे अलग हो गया। उसने यह भी जानकारी दी कि पलामू में शिवालय कंस्ट्रक्शन के साइट पर जो गोलीबारी की गई थी उसमें उनके गिरोह का कोई हाथ नहीं है। मयंक सिंह ने पलामू पुलिस को झंगित करते हुए साफ़ लिखा है कि अमन गिरोह के द्वारा जब भी घटनाओं को अंजाम दिया जाता है उसे खुलकर स्वीकार भी जाता है। मयंक के अनुसार अमन साव का नाम अपने आप में बड़ा है।

यह किसी परिचय का मोहताज नहीं है। अमन गिरोह का यह भी दावा है कि उनकी पलामू में कोई गतिविधि नहीं है। मयंक ने पलामू पुलिस से यह आग्रह भी किया है कि उनका नाम वे लोग सुजीत सिन्हा गिरोह से ना जोड़ें। जेल में रहकर भी अमन साव झारखंड

के कई जिलों की पुलिस के लिए
चुनौती बना हुआ है। उसके एक
इशारे पर उसके गुर्गे किसी का भी
काम तमाम करने के लिए तैयार
है। बीते बुधवार को रांची में
कोयला कारोबारी रंजीत गुप्ता को
अमन गिरोह के द्वारा ही गोली
मारी गई थी। इससे पहले जेल में
रहते हुए भी हजारीबाग में अमन
ने हैदराबाद के रहने वाले शरद
बाबू की गोली मरवा कर हत्या
करवा दी थी। बताया जा रहा है

कि झारखंड के अलग-अलग जिलों के लगभग दो दर्जन व्यापारी और कारोबारी अमन गिरोह के निशाने पर हैं। सभी से लगातार गिरोह के द्वारा रंगदारी की डिमांड की गई है। जो लोग रंगदारी नहीं दे रहे हैं उन पर हमला किया जा रहा है। अमन साव गिरोह रांची, धनबाद, हजारीबाग, लातेहर और चतरा पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। बताया जा रहा है कि अमन गैंग में 100 से ज्यादा अपराधी शामिल हैं जिनमें से अधिकांश जेल से बाहर हैं। गिरोह के पास एके-47 जैसे खतरनाक हथियार भी हैं। वहीं, दूसरी तरफ झारखंड एटीएस और बाकी जिलों की पुलिस की टीम भी अमन गिरोह पर शिकंजे के लिए लगातार काम कर रही है। पुलिस के अनुसार गैंग के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और किसी को भी बछ्शा नहीं जाएगा।



राण्टीय खबर

रांची: सावन की पहली सोमवारी को लेकर शिव भक्तों में उल्लास देखा जा रहा है। शिव भक्तों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े इसके लिए रांची जिला प्रशासन मुस्तैद है। रांची के स्वर्ण रेखा नदी से लेकर ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर तक सुरक्षा सहित तमाम बंदोबस्त प्रशासन ने किए हैं रविवार को रांची एसएसपी किशोर कौशल और डीसी राहुल सिन्हा स्वर्णरिखा नदी से लेकर पहाड़ी मंदिर तक शिव भक्तों के लिए किए जा रहे हैं इंतजाम का जायजा भी लिया।

दरअसल राजधानी रांची में यह परंपरा रही है कि शिवभक्त स्वर्णरिखा नदी से जल भरकर अहले सुबह पहाड़ी मंदिर पहुंचकर भगवान शिव को जल अर्पण करते हैं। ऐसे में रांची पुलिस की पहल पर स्वर्णरिखा नदी से लेकर पहाड़ी मंदिर तक सुरक्षा के हर तरह के इंतजाम किए गए हैं रास्ते में पड़ने वाले सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। वर्धी नगर निगम के अंधेरे रास्तों पर लाइट्स की व्यवस्था भी की गई है रांची के सीनियर एसपी किशोर कौशल ने बताया कि राजधानी के तमाम

खतरनाक नालों के बीच जोखिम भरा जीवन जी रहे राजधानीवासी

राष्ट्रीय खबर

रांची: बरसात के मौसम में अग्र आप राजधानी की सड़कों पर चल रहे हैं तो सावधान होकर चलें। आपकी थोड़ी सी लापरवाह जानलेवा सावित हो सकती है। यह बात इसलिए कही जा रही कि राजधानी के रांची नगर निगम क्षेत्र में ऐसे करीब 50 जोखिम भरा खतरनाक नाले हैं जो बरसात के समय सिरदर्द बन जाते हैं। बारिश में नाला भरने से परेशानी और बढ़ जाती है। खुले नाले वे बगल से बना आम रास्ता बरसात के समय दुर्घटना होने का गवाह। पहले भी बनता रहा है। जिसका आम लोगों के साथ मवेशी गिरकर मरते रहे हैं। 2019 हिंदूगढ़ी के नाला रोड में पांच साल की फलक की मौत हो गई थी। वर्षीय 2021 में अंबा नगर में वृत्त अजय अग्रवाल की नाले में बहा-

रहने वाले अर्जुन कहते हैं कि उनके इलाके में ऐसा नाला है जिसमें बड़ा जानवर के गिरकर मौत हो चुकी है। इसके बावजूद सरकार ने सुध नहीं ली है। इस रास्ते से गुजरने वाले हरेक व्यक्ति बरसात के समय संभलकर चलते हैं। क्योंकि नाला और सड़क दोनों पर जलजमाव की वजह से एक जैसा हो जाता है। जिसमें थोड़ा सा भी धोखा हुआ तो यह जानलेवा साबित हो जाएगा। रांची में ड्रेनेज सिस्टम को सुदृढ़ करने के लिए अब तक करोड़ों रुपया खर्च हो चुका है। इसके बावजूद नगर निगम क्षेत्र में इस समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। रांची नगर निगम प्रशासन हर साल की तरह इस बार भी बरसात के वक्त खतरनाक नालों को ढकने के बजाय उसके सामने चेतावनी भरा बोर्ड और रेड रिबन लगाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेने में जुटी है। नगर निगम के अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन के अनुसार फंड के अनुरूप निगम द्वारा ओपन नाला को ढकने के लिए प्लानिंग की जाती है। पहले 50 खतरनाक नाला थे जिसमें कमी आई है। इसके अलावे नाला-नाली को अतिक्रमणमुक्त करने की कारबाई की जा रही है। बहरहाल आवश्यकता इस बात कि है कि समय रहते इन खुले नालों को ढका जाए, जिससे बरसात के समय किसी घटना की पनार्वति ना हो।

The advertisement features a blue background with a white wavy pattern at the top. The title "राष्ट्रीय खबर" is written in large, bold, black font, with "हमारी नज़र" below it in a smaller, brown font. To the right, there's a graphic of a trail of brown footprints leading towards the text "नौ कदम और". On the left, a stack of newspapers is shown, with visible headlines in Hindi and English. Below the stack, a vertical list of state names is displayed in red and orange text. At the bottom right, there's contact information including an e-mail address, a website URL, and social media links for YouTube and Facebook. A large red "Visit us @ Ph." is followed by two phone numbers.